

# 学海风暴

阅读系列

丛书主编：冷媛



## 初中课外文言文阅读

< 含古诗词、语言实际运用 >

( 七年级 **金** 版 )

喀什维吾尔文出版社  
新疆电子音像出版社

☆ 突出重点 ☆ 突破难点 ☆ 锁定热点 ☆ 直击中考



责任编辑：孟 朝 东

封面设计：王 博



学海掀起风暴 知识改变命运

让学海风暴来的更猛烈些吧！

ISBN 978-7-5373-1718-4



9 787537 317184 >

本册定价 16.90 元

# 学海风暴

阅读系列

丛书主编：冷媛



## 初中课外文言文阅读

< 含古诗词、语言实际运用 >

( 七年级 **金** 版 )

本册主编：陈小庆

本册副主编：朱 嫔、李小英、刘 群、  
易 瑛（排名不分先后）

喀什维吾尔文出版社

新疆电子音像出版社



丛书主编：冷 媛  
责任编辑：孟 朝 东  
封面设计：王 博

## 学海风暴·初中课外文言文阅读

七年级·金版

出版：喀什维吾尔文出版社  
新疆电子音像出版社  
社址：乌鲁木齐市西虹西路36号  
邮政编码：830001  
发行：喀什维吾尔文出版社  
新疆电子音像出版社  
经销：全国各地书店  
印刷：南昌市群众印刷厂  
开本：787×1092 1/16  
印张：9  
字数：350千字  
版次：2008年8月第1版  
印次：2008年8月第1次印刷  
印数：1~100000册  
书号：ISBN 978-7-5373-1718-4  
定价：16.90元

☆☆☆☆☆☆☆☆☆☆版权所有·侵权必究☆☆☆☆☆☆☆☆

(如遇印刷问题, 可随时退换)

# 前言

“东方欲晓，  
莫道君行早，  
踏遍青山人未老，  
风景这边独好！”

我们太应该重视这个“独”了！

世上被人们公认的景点都是独特的：埃及金字塔，中国古长城，法国凯旋门，罗马斗兽场……

世上被人们赞誉的美景都独具风采：泰山日出，威尼斯水城，巴西热带雨林，非洲撒哈拉大沙漠……

文学作品中的经典人物也独具个性：王熙凤的笑里藏刀，鲁滨逊的坚毅顽强，奥赛罗的嫉妒仇恨……

独特是一种能力，  
独特是一种智慧，  
独特是一种超然！

《学海风暴》便是众多教辅资料中的独特品牌！

“人无我有，人有我优”是我们奉行的最高准则。

“没有最好，只有更好”是我们遵循的服务理念。

经编写组殚精竭虑倾心打造的《学海风暴》教辅丛书，具有以下独特之处：

●**权威性** 丛书主笔均为全国优秀的一线特高级教师，国家级、省级骨干教师，可谓强强联合、名师荟萃。先进的教学理念、成功的教学经验、科学的操作方式，组成了独树一帜的信息方阵。莘莘学子可以由此轻松“步蟾宫”“跃龙门”。

●**新颖性** 以新课标精神为指导，突出学生的主体性，强化人文意识的终极关怀，强调“感受、观察、体验、参与社会生活”的能力，注重构建“情景化”“生活化”的学习氛围，把学生引向好学、会学、乐学的理想天地。

●**科学性** 丛书各科既有对知识的宏观梳理，又有对解题思路的微观探究；既有对个案技巧的点拨，又有对整体规律的总结。以科学的方法打通了思维心理的屏蔽通道，为提升同学们的综合应用能力架起了一座金色之桥。

●**实用性** 实事求是，尊重实际，是本丛书的出发点，也是落脚点。从体例的设计，到内容的编写，本丛书都充分考虑到教学过程的特点和学生的实际需要，大处着眼，小处着手，努力使本丛书成为实实在在的学生的帮手，能切实的帮助学生积累知识，训练能力，开阔思维，提高成绩。

“删繁就简三秋树，领异标新二月花。”我们坚信，《学海风暴》定会给你的求学带来无穷的乐趣，定会引领你跨越人生的“十八盘”，去领略那“一览众山小”的无限风光！

学海弄潮，激流勇进，梦想成真！

《魔力导学》系列编写组

2008年8月



# 目录



## 第一章 文言文阅读

|                              |      |                      |      |
|------------------------------|------|----------------------|------|
| 第一节 文言文断句、朗读节奏与文言文翻译 .....   | (1)  | 29. 举火求贤 .....       | (26) |
| 第二节 文言文整体感悟、理解、要点概括及评价 ..... | (2)  | 30. 龙城飞将 .....       | (26) |
| 第三节 文言积累 .....               | (3)  | 31. 火烧裳尾 .....       | (27) |
| 第四节 文言文阅读训练 .....            | (13) | 32. 瓮算 .....         | (27) |
| 1. 田真兄弟 .....                | (13) | 33. 狮子与豺 .....       | (27) |
| 2. 笃志于学 .....                | (14) | 34. 承宫樵薪苦学 .....     | (28) |
| 3. 扇不在新 .....                | (14) | 35. 一钱莫救 .....       | (28) |
| 4. 郑君伐胡 .....                | (14) | 36. 不识自家 .....       | (28) |
| 5. 牛郎织女 .....                | (15) | 37. 崔篆平反二千人 .....    | (29) |
| 6. 因小失大 .....                | (15) | 38. 藏虱 .....         | (29) |
| 7. 刳马取肝 .....                | (16) | 39. 子侨包藏祸心 .....     | (30) |
| 8. 顾和机警 .....                | (16) | 40. 周镇漏船 .....       | (30) |
| 9. 蒙人 .....                  | (17) | 41. 口诵捉船 .....       | (31) |
| 10. 二红饭 .....                | (17) | 42. 纥干戏妻 .....       | (31) |
| 11. 杨氏小儿 .....               | (18) | 43. 岂暇择木 .....       | (31) |
| 12. 翠鸟移巢 .....               | (18) | 44. 骊山诗案 .....       | (32) |
| 13. 喜嗔之人 .....               | (19) | 45. 宋仁宗忍饿 .....      | (32) |
| 14. 朱元璋画像 .....              | (19) | 46. 撞车 .....         | (33) |
| 15. 鸿 .....                  | (20) | 47. 奴价倍婢 .....       | (33) |
| 16. 山鸡献楚 .....               | (20) | 48. 王安石辞妾 .....      | (33) |
| 17. 畏法而至 .....               | (21) | 49. 左儒谏宣王 .....      | (34) |
| 18. 高繇遭逐 .....               | (21) | 50. 骂鸭 .....         | (34) |
| 19. 覆巢之下安有完卵 .....           | (21) | 51. 青蛙斗牛 .....       | (35) |
| 20. 黄琬巧对 .....               | (22) | 52. 外科医 .....        | (35) |
| 21. 南岐病瘰 .....               | (22) | 53. 枫柳何施 .....       | (36) |
| 22. 染指 .....                 | (23) | 54. 刘凝之与沈麟士 .....    | (36) |
| 23. 范武子杖文子 .....             | (23) | 55. 骥服盐车 .....       | (37) |
| 24. 关羽刮骨去毒 .....             | (24) | 56. 声闻过情, 君子耻之 ..... | (37) |
| 25. 鲁侯弃国 .....               | (24) | 57. 蜀贾三人 .....       | (38) |
| 26. 不展家书 .....               | (24) | 58. 傅永发愤读书 .....     | (38) |
| 27. 愚人集牛乳 .....              | (25) | 59. 坐无尼父 .....       | (38) |
| 28. 鼠轴戏猫 .....               | (25) | 60. 断桥 .....         | (39) |
|                              |      | 61. 林琴南敬师 .....      | (39) |
|                              |      | 62. 柳季之“宝” .....     | (40) |

|                     |      |                   |      |
|---------------------|------|-------------------|------|
| 63. 鲤鱼跳龙门 .....     | (40) | 82. 仲举礼贤 .....    | (48) |
| 64. 宁为玉碎,不为瓦全 ..... | (41) | 83. 类鹜与类犬 .....   | (49) |
| 65. 家无长物 .....      | (41) | 84. 齐景公衣狐白裘 ..... | (49) |
| 66. 卫人养猫 .....      | (42) | 85. 胸有成竹 .....    | (50) |
| 67. 不必遗言 .....      | (42) | 86. 功超伊、霍 .....   | (50) |
| 68. 书要成诵 .....      | (42) | 87. 养兔搏兔 .....    | (51) |
| 69. 垓下之围 .....      | (43) | 88. 李舟著笛记 .....   | (51) |
| 70. 无逸 .....        | (43) | 89. 王勃故事 .....    | (52) |
| 71. 其为人也孝弟 .....    | (44) | 90. 东坡之诗文 .....   | (52) |
| 72. 取信后世 .....      | (44) | 91. 王猛为京兆尹 .....  | (53) |
| 73. 李勣为姊煮粥 .....    | (45) | 92. 桑怿传(节选) ..... | (53) |
| 74. 恶臣之见王 .....     | (45) | 93. 沈约传(节选) ..... | (54) |
| 75. 傅显迂缓 .....      | (45) | 94. 误认 .....      | (54) |
| 76. 范式守信 .....      | (46) | 95. 张溥传 .....     | (54) |
| 77. 无道人之短 .....     | (46) | 96. 刘宣苦读成才 .....  | (55) |
| 78. 釜沸渡筏 .....      | (47) | 97. 东坡食汤饼 .....   | (55) |
| 79. 笔冢 .....        | (47) | 98. 先己 .....      | (55) |
| 80. 奋扬不杀太子建 .....   | (48) | 99. 邓攸弃儿保侄 .....  | (56) |
| 81. 乞还半揖 .....      | (48) |                   |      |

## 第二章 诗词赏析

|                    |      |                    |      |
|--------------------|------|--------------------|------|
| 第一节 诗赏析 .....      | (57) | 20. 绝句 .....       | (63) |
| 第二节 词赏析 .....      | (58) | 21. 雨晴 .....       | (64) |
| 第三节 诗词赏析训练 .....   | (59) | 22. 绝句二首(其二) ..... | (64) |
| 1. 梅花 .....        | (59) | 23. 燕昭王 .....      | (64) |
| 2. 夏意 .....        | (59) | 24. 江村 .....       | (64) |
| 3. 山茶花 .....       | (60) | 25. 雨过山村 .....     | (65) |
| 4. 鹿柴 .....        | (60) | 26. 送友人 .....      | (65) |
| 5. 田家 .....        | (60) | 27. 题春晚 .....      | (65) |
| 6. 赠荷花 .....       | (60) | 28. 新晴野望 .....     | (65) |
| 7. 游太平山 .....      | (60) | 29. 晓出黄山寺 .....    | (65) |
| 8. 伤田家 .....       | (61) | 30. 江畔独步寻花 .....   | (66) |
| 9. 春宿左省 .....      | (61) | 31. 暮过山村 .....     | (66) |
| 10. 清溪行 .....      | (61) | 32. 诗两首 .....      | (66) |
| 11. 江乡故人偶集客舍 ..... | (61) | 33. 天末怀李白 .....    | (66) |
| 12. 淮上喜会梁州故人 ..... | (62) | 34. 登岳阳楼 .....     | (67) |
| 13. 别薛华 .....      | (62) | 35. 山中杂诗 .....     | (67) |
| 14. 桃花溪 .....      | (62) | 36. 终南望余雪 .....    | (67) |
| 15. 书愤 .....       | (62) | 37. 秋思 .....       | (67) |
| 16. 寒食寄京师诸弟 .....  | (62) | 38. 春日忆李白 .....    | (67) |
| 17. 堂成 .....       | (63) | 39. 夜坐 .....       | (68) |
| 18. 渡汉江 .....      | (63) | 40. 积雨辋川庄作 .....   | (68) |
| 19. 十五夜望月 .....    | (63) | 41. 云阳馆与韩绅宿别 ..... | (68) |

|                     |      |                         |      |
|---------------------|------|-------------------------|------|
| 42. 别董大 .....       | (69) | 72. 村夜 .....            | (76) |
| 43. 陇西行 .....       | (69) | 73. 筹笔驿 .....           | (76) |
| 44. 秋夜曲 .....       | (69) | 74. 题西太一宫壁二首 .....      | (76) |
| 45. 暮春归故山草堂 .....   | (69) | 75. 南乡子 .....           | (76) |
| 46. 湖口望庐山瀑布水 .....  | (69) | 76. 生查子 .....           | (77) |
| 47. 逢入京使 .....      | (70) | 77. 如梦令 .....           | (77) |
| 48. 送沈子福之江东 .....   | (70) | 78. 虞美人 .....           | (77) |
| 49. 独坐敬亭山 .....     | (70) | 79. 望江南 .....           | (77) |
| 50. 蝉 .....         | (70) | 80. 词二首 .....           | (77) |
| 51. 题乌江亭 .....      | (70) | 81. 木兰花 .....           | (78) |
| 52. 夜宿七盘岭 .....     | (71) | 82. 一剪梅 .....           | (78) |
| 53. 野望 .....        | (71) | 83. 相见欢 .....           | (78) |
| 54. 望湖楼醉书 .....     | (71) | 84. 浪淘沙 .....           | (78) |
| 55. 南征 .....        | (71) | 85. 菩萨蛮 .....           | (79) |
| 56. 从军行 .....       | (72) | 86. 鹊桥仙·已酉山行书所见 .....   | (79) |
| 57. 惜牡丹诗 .....      | (72) | 87. 浣溪沙 .....           | (79) |
| 58. 画眉鸟 .....       | (72) | 88. 采桑子 .....           | (79) |
| 59. 辋川闲居赠裴秀才迪 ..... | (72) | 89. 清平乐·独宿博山王氏庵 .....   | (80) |
| 60. 杂诗三首(其三) .....  | (72) | 90. 少年游 .....           | (80) |
| 61. 寻南溪常道士 .....    | (73) | 91. 诉衷情 .....           | (80) |
| 62. 早寒江上有怀 .....    | (73) | 92. 踏莎行 .....           | (80) |
| 63. 少年行 .....       | (73) | 93. 临江仙·夜归临皋 .....      | (81) |
| 64. 悯农 .....        | (73) | 94. 鹧鸪天(陌上柔桑破嫩芽) .....  | (81) |
| 65. 倦夜 .....        | (74) | 95. 清平乐(春归何处) .....     | (81) |
| 66. 曲江对酒 .....      | (74) | 96. 望江南(春未老) .....      | (81) |
| 67. 送柴侍御 .....      | (74) | 97. 鹧鸪天(有客慨然谈功名) .....  | (81) |
| 68. 利州南渡 .....      | (75) | 98. 浣溪沙(一向年光有限身) .....  | (82) |
| 69. 与夏十二登岳阳楼 .....  | (75) | 99. 丑奴儿·书博山道中壁 .....    | (82) |
| 70. 蜂 .....         | (75) | 100. 鹧鸪天(家住苍烟落照间) ..... | (82) |
| 71. 牡丹 .....        | (75) |                         |      |

### 第三章 语言实际运用

|                  |      |                  |       |
|------------------|------|------------------|-------|
| (一) 错别字及修改 ..... | (83) | (八) 排序题 .....    | (96)  |
| (二) 词语选用 .....   | (85) | (九) 广告标语题 .....  | (97)  |
| (三) 修改病句 .....   | (86) | (十) 名著题 .....    | (98)  |
| (四) 仿句 .....     | (89) | (十一) 材料探究题 ..... | (101) |
| (五) 图表题 .....    | (91) | (十二) 依境说话题 ..... | (104) |
| (六) 语段压缩题 .....  | (93) | (十三) 综合题 .....   | (106) |
| (七) 对联题 .....    | (95) |                  |       |

|            |       |
|------------|-------|
| 参考答案 ..... | (110) |
|------------|-------|





## 第一章 文言文阅读

### 第一节 文言文断句、朗读节奏与文言文翻译

#### 一、文言文断句

对于文言文断句,广大的语文工作者积累了大量的经验,现介绍以下几种方法,供大家学习参考。

##### 1. 阅读全文,反复诵读,掌握大意

明了全文的意思,是正确断句的最重要的也是最起码的条件。不要拿起笔来随心所欲地标点,要反复朗读几遍全文,体味出文中字、词、句的意思,才能为正确“断句”打好基础。同时要注意文体的特点,如果是故事性的文章,要掌握大致情节;如果是说理性文章,要明白谈了几个问题,及这几个问题之间的联系;如果文中有人物对话,要了解清楚谁和谁说话,哪些话是谁说的,对文章的层次和层意也要注意思考阅读。

##### 2. 由粗到细,仔细推敲

在了解全文大意的基础上,先将容易的、有把握的句子断开,然后逐步缩小范围。对不易断开的字、句要仔细推敲前后语句的含义,分析难断句与上下文的联系,深思熟虑后再下笔断句。

##### 3. 运用掌握的语法知识断句

文言文句式主谓之后,有时要适当停顿,可以断句。例如:晦明变化者,山间之朝暮也。((《醉翁亭记》))

但修饰语、限制语和中心词、介词结构、“者”字结构等内部联系紧密,不能加标点。例如:然后知是山之特立。((《始得西山宴游记》))夫不能以游堕事。((《满井游记》))况仁人庄士之遗风余思,被来世者何如哉。((《墨池记》))

熟悉文言虚词的作用,也可以帮助断句。

例如:

(1)发语词“盖”、“夫”、“且夫”、“若夫”等一般用在句子开头,在它们的前面可以断句。

(2)语气词“乎”、“哉”、“焉”、“也”、“矣”、“耳”等后面大多可以断句。

(3)感叹词“嘻”、“噫”、“嗟夫”、“呜呼”等前后

均可断句。

(4)“以”、“于”作为介词时,不能单独充当句子成分,只能与后面的词或短语组成介词结构后,才能充当句子成分,因此“以”、“于”后面不能断句。

(5)“之”字用在句中、句尾的都有,以句中出现的情况较多,要根据语言环境处理。

(6)句中的对话“曰”、“对曰”一类的词语,要准确地标出文章中的对话部分。其例子可参照课文《曹刿论战》。

##### 4. 利用文言文句子短的特点帮助断句

中学文言文中有的一句少到一个字,分句最多也不过十几个字。如果一连二十多个字都断不开,就要联系上下文仔细斟酌。

##### 5. 利用文言文的句式断句

文言文句法有其一定的特殊性,如判断句的格式常常用“……者,……也”表示,在某些习惯句式,还常常运用固定格式,如“其……其……”、“得无……乎”、“其……乎”、“有所”、“之以”、“奈何”等等,断句时可从此下笔。

##### 6. 注意文章中的排比句

文言文十分讲究句式的整齐,几乎每篇古代文章总有若干的对仗句式,如《陋室铭》就有“山不在高,有仙则名;水不在深,有龙则灵”等语句,这些也是断句的形式标志,只要找出一句,其他的就可以举一反三了。

下面是总结出的断句口诀,可供参考,因为是大概的归纳,并不完全,不可机械地套用。

“曰”后冒(:)、“哉”后叹(!);  
“盖”、“夫”大多在句首,  
“于”、“以”一般在中间;  
“耶”、“乎”经常表疑问(?),  
“矣”、“耳”后面加句圈。  
“也”、“者”作用表停顿,  
或句(。)或逗(,)酌情看。

### 二、文言文朗读节奏

#### 1. 主谓之间应稍作停顿。

如:得道者/多助,失道者/寡助。



## 2. 动宾之间应稍作停顿。

如:衙/远山,吞/长江……

## 3. 表转折的连词前应稍作停顿。

如:人不知/而不愠。

## 4. 句首发语词后应稍作停顿。

如:若夫/霪雨霏霏。

## 5. 动补之间应稍作停顿。

如:征/于色,发/于声。

## 6. 句子成分省略处应稍作停顿。

如:其一/犬坐于前。

注意,划出文言文朗读节奏时,不要划破原意,一般划一到二处,甚至有的只划对一处即可。

## 三、文言文翻译

翻译的基本要求有两点。一是准确。所谓准确,就是要准确地理解原文词句篇章的意思,并用现代汉语准确地把它表达出来。二是要求通顺。就是要求译文要符合现代汉语的习惯,使人看得懂,读起来不别扭。

文言文直译可采用“增”、“换”、“删”、“补”、“留”、“调”六种方法。

1. “增”,即增添。在文言文里,除少数词外,绝大多数是单音节词。翻译时就要译成相应的现代文双音节词,如“先帝在时,每与臣论此事,未尝不叹息痛恨于桓、灵也。”(《出师表》)句中“痛恨”译成现代汉语时,要把“痛”译成“痛心”,“恨”翻成“遗憾”。

2. “换”,即“更换”。文言词发展到今天的现代汉语,经历了一个漫长的历史阶段。有些词虽然古今常用,读音和字形也没有改变,但意义和用法却不相同。翻译时应根据古今词义的不同,对该词作适当的更换。如“今当远离,临表涕零,不知所言。”(《出师表》)句中的“涕”,在文言文里是“眼泪”的意思(文言文以“泗”来表示现代汉语的“鼻涕”),译成现代汉语就应将“涕”更换成“眼泪”。还有一种情况是,古时候词汇量较少,古人在用到某一字时如果还没有,就会用另一个字音相同或相近的字代替,这就是所谓的“通假字”,如“所恶有甚于死者,故患有所不辟也”(《鱼我所欲也》)句中“辟”字是通假字,在翻译成现代汉语时也应更换成“避”。

3. “删”,即“删减”。文言文在发表议论时,句首常用“盖”、“况”、“且”、“夫”等词,如“盖”意在推究其原因,翻译时一般不必强行译出,例如“盖追先帝之殊遇,欲报之于陛下也”一句中的“盖”就是这样。以上列举的其他几个词也是如此。

4. “补”,即“填补”。文言文的句子往往会省略

某些成分,翻译时应该作必要的填补。如“衣食所安,弗敢专也,必以分人”(《曹刿论战》),句中省略了介词“以”后面的代词“之”(代“衣食”),又省略了动词“分”和名词“人”之间的介词“于”,在翻译句子时,就先填补成“必以(之)分(于)人”,这样才准确。

5. “留”,即“留存”。文言文里的人名、地名、官名、国号、年号、度量衡单位等,在翻译时大多可以直接抄录,不必译出,如“是岁元和四年也”(《始得西山宴游记》),句中“元和”是唐宪宗的年号,“四年”是序数,都可以直接抄录。

6. “调”即“调整”。文言文和现代汉语在词序上有不少地方不相同,从广义上来说,大致有“前置”和“后置”两种情况。翻译时应按照现代汉语的语言习惯加以调整。如疑问句“何以战”的介词宾语提前,应调整为“以何战”,“时人莫之许也”(《隆中对》)中“许”作谓语后置,应为“时人莫许之也”。

以上六种方法,其实是根据文言文词汇的特点,即“古今异义”、“通假字”、“词类活用”、“一词多义”和句式的特点所构想出来的。掌握这六种方法来直译,不但能巩固和加深所学的文言知识,而且可以加快直译速度和增强译文的准确程度。

有人对翻译也总结出了一套口诀,现写出来以供参考:

古文翻译,有其顺序。首览全篇,掌握大意。先明主题,然后分段。由段到句,由句到词。全部理解,连贯一起。难解句子,则需心细。照顾前文,联系后句。仔细斟酌,揣摩语气。要求做到,合情合理。语句段间,联系紧密。跳跃句子,补出本意。加上括号,表明增益。人名地名,不必翻译。人之称谓,掌握惯例。吾余为我,尔汝是你。省略倒装,都有规律。常见虚词,没有定意。对待之法,因句而异。句子流畅,错字灭迹。改无可改,再行搁笔。

## 第二节 文言文整体感悟、理解、要点概括及评价

### 一、文章的整体感悟、理解及要点概括

1. 句清段结,提高效率。阅读文言文材料不能囫圇吞枣,要逐字落实,准确理解字、词、句的意义。全文读过,要学会回顾全文,明白主要写了什么,中心是什么,表达了作者怎样的观点或态度。如不明白,则不惜再读。长期坚持这样阅读和思考,阅读效率才



会逐步提高。

2. 注意要点,细细品味。要一边阅读一边注意文中前后照应的地方、作者感情变化的地方、体现主旨或观点的地方等,抓住文章的“题眼”,体会全文的主题。遇到令人费解的词句,可用铅笔画出,根据上文对其进行推测或联想,并从下文中验证自己的推测,这样有利于把自己带到文章的内容中去,也能有效地提高自己的思维能力。

3. 确定区域,组织答案。试题的答案一般都在文中,或照搬,或摘录,或综合,但不管怎样,要在原文中迅速确定答题区域,要始终坚持所有的答案必须根据区域内的信息得出,绝不能胡思乱想,主观臆断(这是大部分学生答不到要点,得不到高分的主要原因)。答题时要先打一个草稿,待语言准确且字数未超出标准后再填写。

4. 检查答案,查漏补缺。做完题目后要将答案放回文中“整体观照”,这样往往容易看出答案是否偏了,是否漏掉要点,从而有助于纠偏或补充要点。

## 二、对文句或人物、事件的评价

这类题目一般不设唯一答案,考生可自由发挥,可联系原文、身边的事例或现象,联系自己的心得体会来作答,言之有序,言之成理即可,如江西省中考试题文言文《王粲传》最后一题“就蔡邕的言行,从某一角度简要谈谈你的感受或体会”就是一道开放性试题。答案可以拟成:蔡邕关爱、推重年轻人才的心胸令人感动(敬佩)。或年轻人才的成长需要前辈人才的关爱和支持。或人要有才,更要有高尚的品格等。

## 三、拓展探究

这个考点在新课程试卷中出现得越来越多,归纳起来就是两种题型:感悟型和发表见解型。感悟型试题要注意两点:一是要答出所给材料本身所具有的意义,因为这是有自身感悟的前提;二是要联系自己或现实答出其启示意义。对见解型试题也要注意两点:一是要选准角度;二是提出的观点要能在文中找到依据,理由要充分,观点要鲜明。

# 第三节 文言积累

## 一、通假字

1. 学而时习之,不亦说乎(“说”通“悦”,读 yuè,愉快)
2. 扁鹊望桓侯而还走(“还”通“旋”,读 xuán,回转,掉转)
3. 汤熨之所及也(“汤”通“烫”,读 tàng,用热水

焮)

4. 火齐之所及也(“齐”通“剂”,读 jì,汤剂)
5. 夫子积学,当日知其所亡(“亡”通“无”,读 wú,没有)
6. 但手熟尔(“尔”通“耳”,相当于“罢了”)
7. 路转溪头忽见(“见”通“现”,读 xiàn,出现)
8. 满坐寂然(“坐”通“座”,座位)
9. 日扳仲永环谒于邑人(“扳”通“攀”,读 pān,牵,引)
10. 始一反焉(“反”通“返”,往返)
11. 甚矣,汝之不惠(“惠”通“慧”,聪明)
12. 河曲智叟亡以应(“亡”通“无”,读 wú,没有)
13. 最喜小儿亡赖(“亡”通“无”,读 wú,顽皮,淘气)
14. 一厓朔东(“厓”通“措”,读 cuò,放置)
15. 问渠那得清如许(“那”通“哪”,怎么)
16. 两岸连山,略无阙处(“阙”通“缺”,读 quē,中断)
17. 昂首观之,项为之强(“强”通“僵”,读 jiāng,僵硬)
18. 俟者更道,从大门入(“道”通“导”,引导)
19. 圣人非所与熙也(“熙”通“嬉”,开玩笑)
20. 辑以羽翠(“辑”通“缉”,连缀)
21. 宣王说之(“说”通“悦”,读 yuè,高兴)
22. 此何遽不能为祸乎(“遽”通“诨”,读 jùn,岂)
23. 子墨子九距之(“距”通“拒”,抵御)
24. 子墨子之守圉有余(“圉”通“御”,读 yù,抵抗)
25. 公输盘诎(“诎”通“屈”,读 qū,折服)
26. 舟首尾长约八分有奇(“有”通“又”,还有)
27. 左手倚一衡木(“衡”通“横”,横放)
28. 虞山王毅叔远甫刻(“甫”通“父”,男子美称,多附于字之后)
29. 盖简桃核修狭者为之(“简”通“拣”,挑选)
30. 以君为长者,故不错意也(“错”通“措”,注意)
31. 要离之刺庆忌也,仓鹰击于殿上(“仓”通“苍”)
32. 数至八层,裁如星点(“裁”通“才”,仅仅)
33. 为天下唱(“唱”通“倡”,倡导)
34. 固以怪之矣(“以”通“已”,已经)
35. 将军身被坚执锐(“被”通“披”,读 pī,穿着)
36. 食马者不知其能千里而食也(“食”通“饲”,读 sì,喂)
37. 才美不外见(“见”通“现”,读 xiàn,表现)





38. 食之不能尽其材(“材”通“才”,才能)  
 39. 而游者皆暴日中(“暴”通“曝”,读 pù,晒)  
 40. 何时眼前突兀见此屋(“见”通“现”,读 xiàn,出现)  
 41. 寡助之至,亲戚畔之(“畔”通“叛”,背叛)  
 42. 所以动心忍性,曾益其所不能(“曾”通“增”,增加)  
 43. 困于心,衡于虑(“衡”通“横”,梗塞,指不顺)  
 44. 人则无法家拂士(“拂”通“弼”,读 bì,辅佐)  
 45. 属予作文以记之(“属”通“嘱”,读 zhǔ,嘱咐)  
 46. 持其赀去(“赀”通“资”,读 zī,资财、钱财)  
 47. 万钟则不辩礼义而受之(“辩”通“辨”,辨别)  
 48. 所识穷乏者得我与(“得”通“德”,恩惠,“与”通“欤”,语气词)  
 49. 欲信大义于天下(“信”通“伸”,伸张)  
 50. 自董卓已来(“已”通“以”)  
 51. 教授王君盛恐其不章也(“章”通“彰”,显示)  
 52. 小惠未徧,民弗从也(“徧”通“遍”,遍及、普及)  
 53. 四支僵劲不能动(“支”通“肢”,肢体)  
 54. 经纶世务者,窥谷忘反(“反”通“返”,返回)

## 二、一词多义示例

### 1. 子

- (1) 子曰:“温故而知新,可以为师矣。”(孔子,名词)  
 (2) 子何恃而往(你,代词)

### 2. 谓

- (1) 太守谓谁(为、是,动词)  
 (2) 孔文子何以谓之“文”也(称,动词)  
 (3) 权谓吕蒙曰(“对……说”,介词)  
 (4) 予谓菊(认为,动词)

### 3. 实

- (1) 其实过之(实际,名词)  
 (2) 其实味不同(果实,名词)

### 4. 是

- (1) 如是再三(这样,代词)  
 (2) 我是鬼(是,判断动词)

### 5. 食

- (1) 吾尝终日不食(读 shí,吃,动词)  
 (2) 食马者,不知其能千里而食也(读 sì 饲养,动词)  
 (3) 身上衣裳口中食(读 shí,食物,名词)

### 6. 见

- (1) 扁鹊见蔡桓公(觐见,动词)  
 (2) 见往事耳(知道,动词)  
 (3) 虎见之,庞然大物也(看见,动词)

### 7. 才

- (1) 才通人(仅仅,副词)  
 (2) 才美不外见(才能,名词)

### 8. 故

- (1) 桓侯故使人问之(特意,副词)  
 (2) 问其故(缘故,名词)  
 (3) 故身重耳(所以,连词)

### 9. 属

- (1) 神情与苏黄不属(类似,形容词)  
 (2) 司命之所属(管属,动词)  
 (3) 有良田美池桑竹之属(类,名词)  
 (4) 属引凄异(读 zhǔ,连续,副词)  
 (5) 属予作文以记之(读 zhǔ,嘱咐,动词)

### 10. 敌

- (1) 恐前后受敌(攻击,动词)  
 (2) 盖以诱敌(敌人,敌方,名词)

### 11. 意

- (1) 意暇甚(神情,名词)  
 (2) 意将隧入以攻其后也(企图、打算,动词)  
 (3) 醉翁之意不在酒(情趣,名词)

### 12. 去

- (1) 我以日始出时去人近(距离,动词)  
 (2) 得钱千五百,乃去(离开,动词)

### 13. 大

- (1) 日初出大如车盖(指物体的大小,形容词)  
 (2) 屠大窘(非常,副词)

### 14. 行

- (1) 羊子尝行路(走,动词)  
 (2) 拾遗求利以污其行乎(品行,名词)

### 15. 舍

- (1) 便舍船(丢下,动词)  
 (2) 又渐如高舍(平房,名词)

### 16. 荷

- (1) 带月荷锄归(读 hè,扛着,动词)  
 (2) 小荷才露尖尖角(读 hé,荷花,名词)

### 17. 道

- (1) 安可为俗士道哉(述说,动词)  
 (2) 圣人之道(学问,名词)  
 (3) 道不通(道路,名词)

### 18. 市

- (1) 愿为市鞍马(买,动词)  
 (2) 北市买长鞭(集市,名词)



19. 骑

- (1) 但闻燕山胡骑鸣啾啾(读 jù, 战马, 名词)  
(2) 家富良马, 其子好骑(读 qí, 骑马, 动词)

20. 转

- (1) 策勋十二转(读 zhuàn, 勋级每升一级叫一转, 量词)

- (2) 路转溪头忽见(读 zhuǎn, 转过, 动词)

21. 然

- (1) 然数年恒不一见(但是, 连词)  
(2) 康肃忿然曰(“的”或“地”, 形容词或副词的词尾)  
(3) 声咋咋然(……的样子, 拟声词尾)  
(4) 莫不然矣(这样, 代词)

22. 自

- (1) 自钱孔入(从, 介词)  
(2) 自云先世避秦时乱(自己, 代词)  
(3) 自非亭午夜分不见曦月(如果, 连词)

23. 少

- (1) 宋定伯年少时(读 shào, 年少、年轻, 名词)  
(2) 宾客意少舒(读 shǎo, 稍微, 副词)

24. 担

- (1) 担中肉尽(担子, 名词)  
(2) 可共递相担(背, 动词)

25. 著

- (1) 脱我战时袍, 著我旧时裳(读 zhuó, 穿, 动词)  
(2) 定伯便担鬼著肩上(读 zhuó, 附着、加在, 动词)  
(3) 常著文章自娱(读 zhù, 写, 动词)

26. 径

- (1) 径至宛市中下著地(一直, 副词)  
(2) 能以径寸之木(直径, 名词)

27. 将

- (1) 将非鬼也(或许, 副词)  
(2) 其马将胡骏马而归(带领, 动词)

28. 何

- (1) 水何澹澹(多么, 副词)  
(2) 岱宗夫如何(怎样, 代词)

29. 引

- (1) 一人蛇先成, 引酒且饮之(拿, 动词)  
(2) 丁壮者引弦而战(拉开, 动词)

30. 绝

- (1) 来此绝境(隔绝, 动词)  
(2) 以为妙绝(极点, 副词)  
(3) 夜久语声绝(断绝, 动词)

31. 遣

- (1) 康肃笑而遣之(打发, 动词)  
(2) 太守即遣人随其往(派, 动词)

32. 志

- (1) 故为之文以志(记, 动词)  
(2) 处处志之(作标记, 动词)  
(3) 寻向所志(标记, 名词)  
(4) 颇示己志(志向、心志, 名词)

33. 寻

- (1) 寻向所志(寻找, 动词)  
(2) 寻病终(不久, 副词)

34. 乳

- (1) 妇抚儿乳(喂奶, 动词)  
(2) 儿含乳啼(乳头, 名词)

35. 间

- (1) 中间力拉崩倒之声(夹杂, 动词)  
(2) 遂与外间隔(隔开, 动词)

36. 名

- (1) 不能名其一处也(说出, 动词)  
(2) 山不在高, 有仙则名(著名, 形容词)  
(3) 故虽有名马(名贵, 形容词)

37. 鲜

- (1) 陶后鲜有闻(读 xiǎn, 少, 形容词)  
(2) 芳草鲜美(读 xiān, 鲜艳, 形容词)

38. 期

- (1) 期在必醉(读 qī, 希望、愿望, 动词)  
(2) 陈太丘与友期(读 qī, 约会, 动词)  
(3) 期年出之(读 jī, 期年、周年, 名词)  
(4) 盈缩之期(读 qī, 时日, 名词)

39. 易

- (1) 易之以百金(交换、买, 动词)  
(2) 天下事有难易乎(容易, 形容词)  
(3) 然吾尝闻风俗与化移易(变化, 动词)

40. 投

- (1) 投诸渤海之尾(扔, 动词)  
(2) 暮投石壕村(投宿, 动词)

41. 疾

- (1) 寡人无疾(病, 名词)  
(2) 虽乘奔御风不以疾也(快, 形容词)

42. 果

- (1) 未果, 寻病终(结果, 名词)  
(2) 果如鹤唳云端(果然, 副词)

43. 强

- (1) 凶强侠气(读 qiáng, 强悍, 形容词)  
(2) 项为之强(读 jiāng, 僵硬, 形容词)

44. 说



(1)或说处杀虎斩蛟(读 shuì,劝说,动词)

(2)请说之(读 shuō,解释,动词)

#### 45. 使

(1)今臣使楚,不当从此门入(出使,动词)

(2)齐命使各有所主(使者,名词)

#### 46. 发

(1)发闾左谪戍渔阳九百人(征发,动词)

(2)白发三千丈(头发,名词)

#### 47. 请

(1)臣请缚一人(请求,动词)

(2)臣是以无请也(过问,动词)

#### 48. 坐

(1)何坐(犯罪,动词)

(2)但坐观罗敷(因为、由于,连词)

(3)众宾团坐(坐,动词)

#### 49. 病

(1)医之好治不病以为功(疾病,名词)

(2)寡人反取病焉(羞辱,动词)

#### 50. 许

(1)先生不知何许人也(处所,名词)

(2)高可二黍许(上下,表约数)

#### 51. 会

(1)会宾客大宴(适逢,副词)

(2)每有会意,便欣然忘食(体会、领会,动词)

(3)号令召三老、豪杰与皆来会计事(集会,动词)

词)

#### 52. 可

(1)高可二黍许(大约,副词)

(2)不可知其源(能够,动词)

(3)死国可乎(可以,动词)

#### 53. 亡

(1)马无故亡而入胡(走失,动词)

(2)为蛇足者,终亡其酒(失掉,动词)

(3)今亡亦死(逃跑,动词)

#### 54. 为

(1)此为何若人(在句中起判断作用,译为“是”)

(2)孰为汝多知乎(联系上下文,当“认为”讲比较合理)

(3)武陵人捕鱼为业(“为业”应看作是“当作职业”讲)

(4)人之为学有难易乎(“为学”指“做学问”)

(5)公输盘为我造云梯(“为我”即“替我”,或“给我”)

(6)吾从北方闻子为梯(“为”相当于“造”)

(7)夫子何命焉为(用在句后,表疑问,语气助

词)

(8)为有源头活水来(联系上下文看是表原因,作“因为”讲)

(9)为人五,为窗八(在此应为“雕刻”,动词)

#### 55. 道

(1)安可为俗士道哉(在此应为“说”)

(2)圣人之道(当“学问”理解最贴切)

(3)伐竹取道,下见小溪(联系上下文,“道”应为“路”)

(4)得道多助,失道寡助(从全篇来看,“道”应为“王道”,即孟子所提倡的“仁政”)

(5)策之不以其道(“原则”“方法”,指驾驭千里马的特殊方法)

#### 56. 语

(1)贫者语于富者曰(应理解为“对……说”,即“告诉”)

(2)如有所语(说话,指说话的情态)

(3)卒中往往语(不是一般的说话,而是“谈论”)

(4)此时欲下一语不得(在此指写作,应为“词语”)

#### 57. 书

(1)一男附书至(指“书信”)

(2)得鱼腹中书(联系上文指“写字的绸条”)

(3)命使图而书之(在此应为“写”)

(4)与朱元思书(指“书信”这一文体)

#### 58. 若

(1)若中道而归(“如果”,表假设连词)

(2)若为佣耕(“你”,人称代词)

(3)关山度若飞(“像”表比喻,形容词)

#### 59. 顾

(1)顾野有麦场(表示“回头看”的动作)

(2)顾不如蜀鄙之僧哉(“顾……哉”连用表疑问,“难道”)

#### 60. 策

(1)策之不以其道(这里是“驱使、驾驭”的意思)

(2)执策而临之(执策,拿着马鞭,“策”即指“马鞭”)

(3)战国策(“策”通“册”,简牍连编为策,即文稿)

### 三、古今异义

下面是古今异义词集录:

1. 扁鹊望桓侯而还走(古:跑 今:行走)

2. 扁鹊复见(古:再一次 今:重复)

3. 立有间(古:一会儿、片刻 今:表示两者之间)





的关系)

4. 不治将益深(古:更加 今:有好处)
5. 居十日(古:停留 今:居住,住所)
6. 使人索扁鹊(古:寻找 今:绳索)
7. 及其日中如探汤(古:热水 今:菜汤)
8. 可以为师矣(古:可以凭 今:表示许可或可能)
9. 是以谓之“文”也(古:因为,由于 今:表目的)
10. 学而不厌(古:满足 今:讨厌)
11. 军书十二卷(古:表示多数 今:确指)
12. 不闻爷娘唤女声(古:父亲 今:祖父)
13. 君有病在肠胃(古:指重病或病得很重 今:统指身体不适)

14. 蜀之鄙有二僧(古:边境 今:卑鄙)
15. 乃捐金于野(古:弃 今:献)
16. 赏赐百千强(古:有余 今:健壮、有力)
17. 水何澹澹(古:多么,副词 今:表疑问)
18. 以为神(古:把……作为 今:认为)
19. 芳草鲜美(古:鲜艳美丽 今:味道新鲜)
20. 阡陌交通(古:交错相通 今:交通运输)
21. 率妻子邑人来此绝境(古:妻子儿女 今:男方的配偶、老婆)

22. 来此绝境(古:与世隔绝的地方 今:没有出路的地方)

23. 无论魏晋(古:不要说,更不必说 今:不管[连词])

24. 诣太守,说如此(古:像这样 今:这样)
25. 缘溪行(古:沿 今:缘故、缘分)
26. 余人各复延至其家(古:请 今:延长、延伸)
27. 后遂无问津者(古:渡口 今:唾液)
28. 河阳之北(古:山之南,水之北 今:太阳)
29. 指通豫南(古:直、一直 今:手指)
30. 曾不能损魁父之丘(古:用来加强语气,常与“不”连用,可译为“连……都……” 今:曾经)
31. 投诸渤海之尾(古:之于 今:各个,许多)
32. 遂率子孙荷担者三夫(古:负荷,挑 今:荷花)

33. 曾不能毁山之一毛(古:草木 今:毛发)
34. 北山愚公长息曰(古:叹气 今:休息)
35. 虽我之死(古:即使 今:虽然)
36. 惧其不已也(古:停止 今:已经)
37. 中间力拉崩倒之声(古:夹杂 今:二者之间)

38. 烈士暮年(古:有雄心壮志的人 今:为正义

事业而牺牲的人)

39. 比肩继踵而在(古:并 今:对比)
40. 楚王闻之(古:听到 今:嗅)
41. 齐之习辞者也(古:熟练 今:学习)
42. 今方来(古:正要 今:四方)

#### 四、常见文言虚词

在初中阶段常用的文言虚词大致有四类:一类是起指代作用的,如“之、其、何”;第二类是起组合作用的,如“以”“于”“为”;第三类是起连接作用的,如“而”“则”“乃”;第四类是起语助作用的,如“也”“乎”“夫”“焉”。其中最为重要的文言虚词有“之、其、而、以、于”。为便于同学们复习,现就初中常见较重要的文言虚词,结合具体实例对其用法作简要分析。

|   |                     |      |                    |
|---|---------------------|------|--------------------|
| 之 | 代词,代人。              | 他,他们 | 愿陛下亲之信之。<br>《出师表》  |
|   | 代词,代事。              | 这,它  | 肉食者谋之。<br>《曹刿论战》   |
|   | 代词,代物。              | 它,它们 | 太医以王命聚之。<br>《捕蛇者说》 |
|   | 指示代词。               | 这    | 有良田、美池、桑竹之属。《桃花源记》 |
|   | 助词,用于定语和中心语之间。      | 的    | 燕雀安知鸿鹄之志哉。《陈涉世家》   |
|   | 助词,用于主谓结构之间,无实意,不译。 |      | 虽我之死,有子存焉。《愚公移山》   |
|   | 助词,作宾语倒装标志,无实意,不译。  |      | 何陋之有。<br>《陋室铭》     |
|   | 助词,用于凑足音节,无实意,不译。   |      | 公将鼓之。<br>《曹刿论战》    |
|   | 动词,作谓语。             | 去,往  | 吾欲之南海。<br>《为学》     |



|   |                                    |       |                        |
|---|------------------------------------|-------|------------------------|
| 以 | 介词,与后面的词或短语一起构成介宾短语,充当状语或补语,其译意较多。 | 把,系   | 医之好治不病以为功。<br>《扁鹊见蔡恒公》 |
|   |                                    | 用,拿   | 以刀劈狼首。《狼》              |
|   |                                    | 凭,靠   | 何以战。<br>《曹刿论战》         |
|   |                                    | 根据,按  | 策之不以其道。<br>《马说》        |
|   |                                    | 因为    | 不以物喜,不以己悲。<br>《岳阳楼记》   |
|   | 连词,表示顺承、目的、结果等。                    | 来,而   | 属予作文以记之。<br>《岳阳楼记》     |
|   |                                    | 以致    | 恐托付不效,以伤先帝之明。《出师表》     |
|   | 作副词,表示时间。                          | 已,已经  | 固以怪之矣。<br>《陈涉世家》       |
|   | 动词,用作谓语。                           | 以为,认为 | 愚以为宫中之事……<br>《出师表》     |

|   |                      |        |        |                         |
|---|----------------------|--------|--------|-------------------------|
| 而 | 作连词,表示并列、顺承、转折、假设关系。 | 表示并列关系 | 并且,而且  | 黑质而白章。<br>《捕蛇者说》        |
|   |                      | 表示顺承关系 | 就,然后   | 一鼓作气,再而衰,三而竭。<br>《曹刿论战》 |
|   |                      | 表示转折关系 | 但,却,可是 | 千里马常有而伯乐不常有。<br>《马说》    |
|   |                      | 表示假设关系 | 如果,假如  | 而吾蛇尚存。<br>《捕蛇者说》        |
|   | 副词,常依附在表示时间的词语后面。    |        |        | 既而儿醒,大啼。<br>《口技》        |

|   |                                  |      |     |                     |
|---|----------------------------------|------|-----|---------------------|
| 于 | 文言文中“于”一般用作介词,表示处所、时间、对象、被动、比较等。 | 表示处所 | 从,在 | 舜发于畎亩之中。<br>《孟子》    |
|   |                                  | 表示时间 | 到   | 积于今,六十岁矣。<br>《捕蛇者说》 |
|   |                                  | 表示对象 | 对,向 | 贫者语于富者曰。<br>《为学》    |
|   |                                  | 表示被动 | 破   | 则人之食于虎也。<br>《说虎》    |
|   |                                  | 表示比较 | 比   | 苛政猛于虎也。<br>《捕蛇者说》   |

|   |                          |        |                        |
|---|--------------------------|--------|------------------------|
| 其 | 人称代词,代人,与后面的动词、形容词一起作宾语。 | 他,他们   | 百姓多闻其贤。<br>《陈涉世家》      |
|   | 人称代词,代人,作定语。             | 他的,他们的 | 殚其地之出,竭其庐之人。<br>《捕蛇者说》 |
|   | 人称代词,代物,与后面的动词、形容词一起作宾语。 | 它,它们   | 安求其能千里也。<br>《马说》       |
|   | 人称代词,代物,作定语。             | 它的,它们的 | 刻唐贤今人诗赋于其上。<br>《岳阳楼记》  |
|   | 指示代词。                    | 这(种)   | 专其利三世也。<br>《捕蛇者说》      |
|   | 指示代词,近指。                 | 其中     | 其一犬坐于前。<br>《狼》         |
|   | 指示代词,远指。                 | 那      | 其中往来种作……<br>《桃花源记》     |

### 五、常见文言文句式

文言句式是古汉语语法的重要组成部分,其各种句式结构都有一定的规律,因此,掌握其句式的方法,一是看这种句式的标志;二是与现代一般句式作比较;三是要结合语境,联系上下文进行判定。

#### (一)判断句式

现代汉语实词的判断句,一般以判断词“是”来表示;而在古代汉语里,“是”常常用作指示代词,却经常以语气助词“也”或其他词来表示判断,有时不需要判断词,常见的格式有以下几种:

##### 1. “……者,……也”的格式

例如:陈涉者,阳城人也。《陈涉世家》——陈胜是阳城人。

##### 2. “……者,……”的格式

例如:其两膝相比者,各隐卷底衣褶中。《核舟



记》)——他们的两膝互相靠近,都(是)隐蔽在手卷下边的衣褶里。

### 3. “……也”的格式

例如:夫战,勇气也。((《曹刿论战》)——作战是靠勇气的。

### 4. “……者也”的格式

例如:二者不可兼得,舍生而取义者也。((《鱼我所欲也》)——如果这两样东西不能同时都得到的话,那么我是牺牲生命而选取大义的。

### 5. “……则……”的格式

例如:此则岳阳楼之大观也。((《岳阳楼记》)——这就是岳阳楼的雄伟景象。

### 6. “……乃……”的格式

例如:当立者乃公子扶苏。((《陈涉世家》)——应当立为王的是大公子扶苏。

### 7. “……是……”的格式

例如:问今是何世。((《桃花源记》)——问(他们)现在是什么朝代。

### 8. “……为……”的格式

例如:必为有窃疾矣。((《公输》)——一定是有偷东西的毛病了。

### 9. “……非……”的格式

例如:城非不高也。((《孟子二章》)——城墙不是不高啊。

### 10. 只凭语义表示判断

例如:先生不知何许人也。((《五柳先生传》)——先生不知道是什么地方的人。

此外,还可用“皆”、“悉”、“诚”等词表示肯定性判断的格式,不一一举例说明。

## (二) 被动句式

在古汉语中,主语有时是谓语动词所表示的行为的被动者。常见的被动句有以下几种:

### 1. 用“为”表示被动

例如:贤能者为之用。((《隆中对》)

### 2. 动词后面用“于”字,引进行为的主动者,表示被动

例如:信义著于四海。((《隆中对》)

### 3. 用“为……所……”表示被动

例如:闻里人相庆,始知为人情所患,有自改意。((《周处》)

### 4. 只凭语意,不用表被动的介词和结构表示被动

例如:①帝感其诚。((《愚公移山》)

②羊子感其言。((《乐羊子妻》)

## (三) 省略句式

文言文,一般具有简洁、精炼的特点,所以在不影响语意表达的前提下,常常省略某些成分,省略句有以下四种情况:

### 1. 省略主语

文言文的主语常常省略,大多是承上文而省。

例如:自余为明人,居是州,恒惴栗。(余)其隙也,则施施而行,漫漫而游,(余)日与其徒上高山,入深林,穷回溪,……((《始得西山宴游记》)——句中括号内是省略的主语。

### 2. 省略谓语

在文言文中,对举的句子里,当一个句子用了动词,而另一个句子中相同或相近的动词就可以省略。

例如:一鼓作气,再(鼓)而衰,三(鼓)而竭。((《曹刿论战》)——句中括号内省略谓语(击)鼓。

### 3. 省略宾语

例如:醉能同其乐,醒能述(之)以文者,太守也。((《醉翁亭记》)——句中省略了“述”的宾语“这乐事”。之:指代这乐事。

### 4. 省略介词

例如:①予独爱莲之出(于)淤泥而不染。((《爱莲说》)②有好事者(以)船载以入。((《黔之驴》)③口技人坐(于)屏障中。((《口技》)

## (四) 倒装句式

文言文句子中有的各个成分排列的前后次序和现代汉语不很一样,有其特殊的词序。一般称这种有特殊词序的文言句子叫“倒装句”。这大致有如下几种情况:

### 1. 谓语前置

主语和谓语的次序,一般是主语在前,谓语在后。但感叹句和疑问句,有时把主语放到谓语之后,以加强感叹或疑问。

例如:①“甚矣!汝之不惠。”((《愚公移山》)——汝之不惠,甚矣!即,你太不聪明了!②甚矣哉为欺也!((《卖柑者言》)——谓语“甚矣哉”置于主语“为欺”前面,表示强调。“为”前面省“尔”,即你要弄欺骗手段真厉害呀!

### 2. 宾语前置

疑问句,疑问代词作宾语时,宾语一般提到介词或动词的前面。有以下几种现象:

(1) 否定句里,作宾语的代词,一般放在动词的前面。

例如:每自比于管仲乐毅,时人莫之许也。((《隆